The Trimurti Advance / AIVV booklet on the Trimurti published after 2006
Chapter Karyakal

[...]
तो सन् 76/77 से ब्राह्मणों को देवता बनाने वाली दूसरी मशीनरी का कार्य आरम्भ हो जाता है। यह कार्य भी सन् 2006/7 तक सम्पन्न हो जाता है। इसका संकेत बाबा ने अनेकों मुरलियों में दिया है। जैसे,

1ण ''50/60 वर्ष लगते है पूरी राजधानी स्थापना में।''मु.ता. 24.7.72 तथा 25.7.75, पृ.2 आदि
2ण ''तुम्हारा यह (ज्ञान) यज्ञ 50 वर्ष चलता है।'' .मु.ता. 11.5.73, पृ.2 मध्य
3ण ''50/60 वर्ष की बड़ी ते बड़ी गवर्मेंट है।'' .मु.ता. 5.6.75
(अतः खास हम ब्राह्मणों को डायरैक्ट बाप के रूप में नम्बरवार वर्सा देने के लिए विश्वनाथ शंकर का कार्यकाल सन् 76/77 से 2007 तक 30/33 वर्ष का आंका जा सकता है)। [...]

The Trimurti Advance / AIVV booklet on the Trimurti edition available in late 90'ties

Chapter Karyakal

[...]
तो सन ७६ - ७७ से ब्राह्मणों को देवता बनाने वाली दूसरी मशीनरी का कार्य आरम्भ हो जाता है | यह कार्य भी सन ९७ (97) तक सम्पन्न हो जाता है |इसका सङ्केत बाबा ने अनेकों मुरलियों में दिया है जैसे -

1ण ''50/60 वर्ष लगते है पूरी राजधानी स्थापना में।''मु.ता. 24.7.72 तथा 25.7.75, पृ.2 आदि
2ण ''तुम्हारा यह (ज्ञान) यज्ञ 50 वर्ष चलता है।'' .मु.ता. 11.5.73, पृ.2 मध्य
3ण ''50/60 वर्ष की बड़ी ते बड़ी गवर्मेंट है।'' .मु.ता. 5.6.75

अतः ख़ास हम ब्राह्मणों को डैरेक्ट बाप के रूप में नम्बरवार वारसा देने के लिए विश्वनाथ शङ्कर का कार्यकाल सन ७६-७७ (76-77) से ८७ (87) तक १० (10) वर्ष तथा आम सारी दुनिया के लिए सन ९७ (97) तक २० वर्ष (20) का आङ्का जा सकता है |